

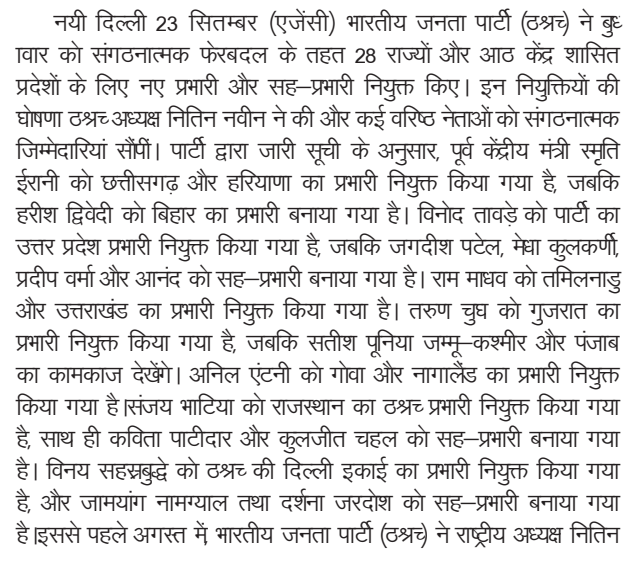
मामलों के सिलसिले में प्रधान को छिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। 2007 के मामले में चार लंबित गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को लेकर एक अदालत ने उन्हें तीन अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया एक अन्य अदालत ने उन्हें दो दशक जुड़ने शस्त्र अधिनियम से जुड़े मामले में पांच अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कांग्रेस ने अपनी रिट याचिका में दावा किया कि भाजपा उन्मीदवार शर के हलफनामे में कहा गया है कि उनकी उम्र "60 साल से अधिक" है और उन्होंने 1965 में 10वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की थी, जिससे उनकी उम्र और शैक्षणिक योग्यता हासिल करने के समय में विस्मंगति का पता चलता है। श्य ने हलफनामे में अपनी जन्मतिथि का जिक्र नहीं किया और अपनी आयु "60 साल से अधिक" बताई है

चुनाव आयोग पर कपिल सिब्बल का बड़ा हमला

इसके तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ड्रपट वोटर लिस्ट से 13 करोड़ से ज्यादा नाम हटाए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा नाम दिल्ली और महाराष्ट्र की ड्रपट वोटर लिस्ट से हटाए गए।

१६ प्रक्रिया को लेकर सबसे ज्यादा विवाद पश्चिम बंगाल में हुआ, जहाँ इस साल अप्रैल में चुनाव हुए और उत्तर में जल्द के गढ़ में ऐतिहासिक जीत हासिल की। १६ प्रक्रिया के बाद बंगाल में वोटर लिस्ट से लगभग 91 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए। पिछले हफ्ते, **म्ब** ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ट्रिब्यूनल के पास 38 लाख अपीलें लंबित हैं। इनमें से 22.21 लाख अपीलों उन वोटर्स ने दायर की थी जिनके नाम हटा दिए गए थे। दिलचस्प बात यह है कि बाकी 16.10 लाख अपीलों उन वोटर्स के खिलाफ दायर की गई थीं जिनके नाम न्यायिक अधिकारियों ने शामिल किए थे और उनके नाम हटाने की मांग की गई थी। श्रवसंप्रेश की जांच से पता चला कि सुखबीर रंजु ने यह मुद्दा उठाया और सवाल किया कि **म्ब** ने उन वोटर्स के खिलाफ अपील क्यों की जिन्हें न्यायिक अधिकारियों ने शामिल किया था।

आया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में बिना उनकी जानकारी के लिए गए कई बड़े फैसलों और जारी किए गए आदेशों पर कड़ा ऐतराज जताया है। हालांकि चुनाव आयोग के सूत्रों ने उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि स्पेशल इंस्पेक्टिव रिविजन (एफ) को लेकर चुनाव आयोग के अंदर मतभेद हैं। सूत्रों ने कहा कि 'प' से जुड़े फैसलों समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से सर्वसम्मति से लिए गए थे। लेकिन अब इस पर बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।



जन विचार प्रवाह

विश्वमांगल्लय सभा के तत्वावधान में मनातियों के राजा के भव्य पांडाल में दर्शन-पूजन



रिपोर्ट — संजय श्रीवास्तव
लखनऊ|विश्वमांगल्लय सभा के धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग के तत्वाव्ान में मनाँतियों के राजा के भव्य पंडाल झूले लाल मार्ग, हनुमान सेतु के सामने मनकामेश्वर मंदिर सड़क में गणपति अथर्वशीर्ष पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ, धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग समय–समय पर विभिन्न प्रशिक्षण वर्गों के द्वारा समाज में धर्म की जागृति स्तोत्र प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कर रहा है गणपति जी के आगमन के अवसर पर अवध प्रांत को गणपति अथर्वशीर्ष का प्रशिक्षण कराने का दायित्व सोपा गया जिसे अवध प्रांत के कर्मठ कार्यकर्ताओं के द्वारा अत्यंत धैर्य पूर्वक व गंभीरता के साथ पूर्ण किया गया ये आयोजन लक्ष्मण मेला मैदान में गणपति जी के भव्य पंडाल स्थित मंच पर हुआ जिसमें संगठन की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका शुक्ला, अवध प्रांत अ् यक्ष नमिता शुक्ला की उपस्थिति मुख्य रूप से रही संगठन की सभी कार्यकर्ता बहनों ने सर्वप्रथम गणपति अथर्वशीर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया उसके उपरांत विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किये, उन्ही बहनों के साथ आज यह वर्ग भी संपन्न हुआ।

श्री रामलीला भूमि पूजन समारोह संपन्न



गाजियाबाद। सीआईपीएल, क्रोमा एवं क्रॉसिंग रिपब्लिक सांस्कृतिक कला संगम समिति द्वारा आयोजित होने वाली गाजियाबाद के सुप्रसिद्ध श्री रामलीला की तैयारियां जोरों शोरों से चल रही हैं। जहां पिछले तीन महीने से स्थानीय कलाकारों का रहिर्सल चल रहा है वहीं रविवार को ग्रीन बेल्ट रामलीला ग्राउंड में प्रातः ग्यारह बजे से आयोजित श्री रामलीला भूमि पूजन समारोह में सैकड़ों संभ्रांत लोग शामिल हुए। पिछले चौदह वर्षों से रामलीला में मानस पाठ करने वाले पंडित मधुसूदन जी ने विधि विधान से भूमि पूजन कराया। बतौर यजमान सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष क्षितिज सिंघल ने रामलीला मंचन में श्रीराम की भूमिका निभाने वाले सुयश्व अग्निहोत्री, रामलीला मंचन के निदेशक गोविंद जी सहित समिति के पदाधिकारियों एवं कलाकारों ने की। पूजा एवं हवन पूर्णाहुति के पश्चात लोगों ने भजन कीर्तन किए तथा कुछ कलाकारों ने रहिर्सल कर भूमि पूजन कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर क्रोमा के अध्यक्ष तरुण भारत चौहान, बी पी एस भाटिया, दुर्गेश सिंह, विजय गोयल, रवि गुप्ता, मुकेश चंद्र श्रीवास्तव, नीरज मिश्रा, नीरज जागेटिया, तरुण भारद्वाज, विकास कुमार, मनोज शर्मा, अर्चना अग्निहोत्री, डॉ मेघना तिवारी, डॉ मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, संजु यादव, राकेश पुंज, आर सी सिंह, ए के जैन सहित समस्त पदाधिकारी एवं रामलीला के सभी पात्र भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम उपरांत सामूहिक भोजन प्रसाद सभी लोगों ने ग्रहण किया। ज्ञात हो कि स्टेशन की तैयारी एवं विभिन्न प्रकार के झूलों को स्थापित करने का कार्य चालू हो गया है तथा जल्द ही मेला के स्टॉल आदि का आवंटन भी पूर्ण हो जाएगा।

नवागत जिलाधिकारी अशोक कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया



हमीरपुर स नवागत जिलाधिकारी अशोक कुमार ने आज कोषागार हमीरपुर पहुंच कर कारभार ग्रहण कर लिया है। इस दौरान अपर जिलाधिाकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी मौजूद रहे। अशोक कुमार 2014 बैच के आईएएस अफसर हैं हमीरपुर का डीएम बनाए जाने के पूर्व वे लखनऊ में भूमि विकास एवं जल संसाधन विकास विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थे। कारभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता के कार्यक्रमों को लागू करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वहीं सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनका उद्देश्य होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यालय आने वाले लोगों की समस्याओं का निस्तारण एक बार में ही होना चाहिए जिससे उन्हें बार–बार मुख्यालय ना आना पड़े। उन्होंने जन समस्याओं का समय से निस्तारण कराए जाने की बात कही है।

21 वर्षों से लगातार हो रहा आयोजन

हमीरपुर स बुढ़वा मंगल के अवसर पर संकट मोचन धाम मंदिर खालेपुरा हमीरपुर में 21 वर्षों से लगातार अखंड रामायण पाठ का कार्यक्रम किया जा रहा है स जिसमेंगवान श्री राम जी का राजतिलक भी किया जाते है सकाईक्रम केआयेजक लक्ष्मी प्रसाद चौरसिया ने बताया कि पहले मंदिर छेद था लेकिन बाबा की कृपा से मंदिर अब पूर्ण बनकर तैयार हो गया है स हर बार नए संभुट के साथ रामायण पाठ का आयेजन किया जाता है इस बार की चौलाई फरुगन मय उर अंतर यमी ! पुु बहू मेर मनोष स्वामी !! संभुट के साथ रामायण का पाठ किया गया है स इस बार कीर्तन मंडली में गाएक करुणा शंकर विश्वकर्मा एवं विद्या भारती मुना सकिता रामप्रकाश आदि कलाकारों ने राजा रामचंद्र जी का राज्याभिषेक कराया

प्रदेश सरकार के गड़ढा मुक्त अभियान को पलीता लगा रहा उरई-कोटरा जिला मार्ग, राहगीर परेशान

- नहर से किशोरा-कुओं तिराहे तक सड़क में बड़े-बड़े गड़ढे, मोटरसाइकिल सवार गिरकर हो रहे घायल**
- जन-प्रतिनिधियों की उदासीनता और विभागीय शिथिलता से जनता तस्त, जिलाधिकारी से लगाई गुहार**

उरई (जालौन) उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश की सड़कों को गड़्ढा मुक्त करने के लिए लाख प्रयास कर रही है, करोड़ों रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा रही है, इसके बावजूद धरातल पर विभागीय शिथिलता के चलते अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। कार्यदायी संस्थाओं के असहयोगात्मक रवैये के कारण न केवल सरकार की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि आम जनमानस को आवागमन में अत्यंत कष्ट का सामना करना पड़ रहा है।इसका ज्वलंत उदाहरण है उरई–कोटरा जिला मार्ग



उरई (जालौन)जिलाधिकारी समीर ने कलैक्ट्रेट सभागार में कर–करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप राजस्व वसूली में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दास्त नहीं की जाएगी। लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली वाले विभागों की प्रगति पर नाराजगी



उरई (जालौन)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र साधना के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित ष्षेवा संकल्प अभियान 2026th के अंतर्गत एस.आर. इण्टर कॉलेज, उरई में ष्फेरे सपनों का भारतth विषय पर एक भव्य भाषण कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री (सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि

विकास भवन परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 11वां आयुर्वेद दिवस



हमीरपुर। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विकास भवन परिसर, कुछेछा, हमीरपुर में “स्वस्थ भविष्य के लिये आयुर्वेद” विषय पर 11वां आयुर्वेद दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ॰ निरेन्द्र बहादुर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अ् यक्ष नगर पालिका परिषद कुलदीप निषाद, मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह, डी०सी० मनरेंगा, डी०सी०

एन०आर०एल०एम० तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान श्री धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद दिवस के उद्देश्य एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए जनसामान्य को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।आयुष विभाग द्वारा विकास भवन परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें

अंदाजा नहीं लग पाता।परिणामस्वरूप छोटे चौपटिया वाहनों के चेंबर रगड़ रहे हैं, वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी मोटरसाइकिल सवारों को उठानी पड़ रही है। गड़्ढों में संतुलन बिगड़ने से आए दिन बाइक सवार गिरकर घायल हो रहे हैं। रात्रि के समय तो यह मार्ग और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। विभागीय अधिकारी मौन, जनप्रतिनिधि नहीं उठा रहे आवाज आश्चर्य का विषय है कि इतने व्यस्त मार्ग की दुर्दशा पर विभागीय अधिकारियों के कानों पर जूं तक

राजस्व वसूली में सुस्ती पर डीएम सरस्त, अधिकारियों को दिए तेजी लाने के निर्देश

पालिकाओं में भी अपेक्षित राजस्व वसूली न होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए नि्दिष्ट लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व वसूली केवल कागजी प्रगति तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर प्रभावी कार्रवाई दिखाई दे। उन्होंने 10 बड़े बकायेदारों की सूची तैयार करने तथा सभी लंबित आरसी को पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड कराने के निर्देश दिए। उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अमीनों की संयुक्त टीम सप्ताह

में कम से कम दो दिन विविध अभियान चलाकर आरसी की वसूली सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सभी संबंधित अि अधिकारियों को वसूली के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने, प्रवर्तन कार्यों को प्रभावी बनाने तथा नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंडी समितियों के

मंती ने बच्चों को सुनाया कलाम का मंत्र, योगी सरकार के सुशासन का किया गुणगान, बोले - विकसित भारत के लिए लें पंच प्रण

विकास की नई ऊँचाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी ने सेवा को ही संगठन और शासन का मूलमंत्र बनाया है। मंत्री ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन, भयमुक्त समाज और विकास मॉडल का भी गुणगान किया। मंत्री ने छात्रों को पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ॰ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कलाम साहब ने कहा था : सपने वो नहीं जो नींद में देखे जाते हैं, सपने वो हैं जो नींद ही नहीं आने देते।५ भरे सपनों का भारत वहीं भारत होगा जहाँ हर युवा वैज्ञानिक सोच और १५ प्रथम की भावना रखे।प्रतियोगिता का केंद्रीय विषय ष्फेरे सपनों का भारत – सेवा और समर्पण के 25 सालष्षहा। प्रतिभागी छात्र–छात्राओं ने विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत, नमामि गंगे, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया और राष्ट्र प्रथम की भावना पर सारगर्भित विचार रखे।इण्टर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट वक्ताओं को मुख्य अतिथि र्वतंत्र देव

विकास भवन परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 11वां आयुर्वेद दिवस

आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों द्वारा जनसामान्य को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में लोगों को स्वास्थ्य संरक्षण एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद एवं योग शिविर का भी आयोजन किया गया। पतंजलि योग समिति के बच्चों द्वारा आकर्षक योग प्रदर्शन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं जन–स्वास्थ्य संरक्षण का संदेश देते हुए विकास भवन परिसर में औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ० निरेन्द्र बहादुर सिंह ने आयुर्वेद दिवस के आयोजन में सहयोग के लिए सभी अतिथियों, चिकित्सकों, विभागीयअधि

कार्यक्रम का सफल संचालन जलोस खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आयुष) सुजीत कुमार, डॉ० बृजेश त्रिपाठी, डॉ० मीना कुमारी, डॉ० उपासना मिश्रा, डॉ० दीपिका प्रियदर्शिनी, डॉ० श्वेता आनन्द द्विवेदी, रामअठार फार्मासिस्ट, संदीप कुमार फार्मासिस्ट, रंशेष् कुमार, आनन्द द्विवेदी, मनोज कुमार, नीरज सागर, दिलीप कुमार, डॉ० बृजेश कश्यप, योग प्रशिक्षक श्रीमती शिवानी कटियार सहित विभागीय कर्मचारी तथा पतंजलि योग समिति हमीरपुर की प्रमारी श्रीमती रानी बाथम उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति स्वरूप तुलसी का पौधा भेंट किया गया।

प्रदेश

जौनपुर,गुरुवार 24 सितम्बर, 2026

2

UPI शुल्क व्यवस्था को लेकर व्यापारियों में चिंता, पारदर्शिता की मांग

जौनपुर। न् लेनदेन से जुड़े नई उक्त व्यवस्था को लेकर व्यापारियों के हितों और शुल्क प्रणाली की स्पष्टता पर समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव आरिफ हबीब ने चिंता जताई है। उन्होंने सरकार से न् भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी और ब्यापारियों के लिए न्यूनतम लागत वाली बनाए रखने की मांग की।आरिफ हबीब ने कहा कि न् ने छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े कारोबारियों तक डिजिटल भुगतान को आसान बनाया है। ऐसे में किसी भी नई लागत का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव छोटे कारोबार, खुदरा व्यापार और अंत्तः ग्राहकों पर पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि सरकार के अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति (प्टे) न् लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं है।

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता ने जिलाधिकारी एवं अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड से विनम्र अनुरोध किया है कि जनहित में उरई–कोटरा जिला मार्ग के गड़्ढों को अतिशीघ्र भरवाकर मार्ग को चलने योग्य बनाया जाए, ताकि राहगीरों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात मिल सके।

सपा प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना



हमीरपुर स समाजवादी पार्टी कार्यालय में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों एवं योजनाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार द्वारा किए गए अनेक दावे और योजनाएं जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों युवाओं एवं आम जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए के अधिाकारीसंविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता से जुड़े सवालों को लगातार उठाती रहेगी और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष इंदरीश खान, वरिष्ठ सपा नेता पूर्व ब्लॉक प्रमुख शुभकरण सिंह परिहार,अक्वेश बहादुर सिंह पूर्व मुख्य विकास अधिकारी, संजय यादव पूर्व प्रत्याशी ब्लॉक प्रमुख,राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी,राजेश श्रीवास प्रदेश सचिव अधिवक्ता सभा, युगांक मिश्रा पूर्व प्रत्याशी नगर पालिका, लाला प्रधान जिलाध्यक्ष मुलायम सिंह सूय ब्रिगेड, राघवेन्द्र यादव लकी नगर अध्यक्षधजिला मीडिया प्रमारी, सुनील दीक्षित जिलाध्यक्ष प्रबुद्ध सभा, रवि यादव एडवोकेट, कुन्दन प्रजापति जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा,अनुज प्रधान, मोहम्मद सलीम जिलाध्यक्ष सांस्कृतिक प्रकोष्ठ,सुभान कुंरेशी सभासद,सोनु यादव,लल्लू सिंह,अमय सिंह परिहार सहित समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत छानी में मुख्यमंती कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन



हमीरपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आज 23 सितम्बर, 2026 को लखनऊ स्थित 5, कालिदास मार्ग से मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर योजना के ई–पोर्टल के साथ सहकारिता विभाग, उत्तर प्रदेश के ‘उर्वरक सेतु मोबाइल ऐप’ तथा उत्तर प्रदेश के –ऑपरेटिव डेटाबेस सेंटर के मोबाइल ऐप ‘न्चक’ का भी शुभारंभ किया गया।मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का जनपद हमीरपुर में भी सजीव प्रसारण किया गया। ग्राम पंचायत छानी स्थित शुभ गेस्ट हाउस, राठ रोड में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने सहभागिता करते हुए लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा।इस अवसर पर विधायक सदर डॉ. मनोज कुमार प्रजापति ने किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की प्रमुख विशेषताओं एवं किसानों के लिए इसके महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से लघु एवं सीमांत कृषकों को कृषि एवं माध्मिक वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक लिमिटेड की शाखाओं के माध्यम से पात्र किसानों को 06 प्रतिशत की प्रमारी अक्षय उ०अ० सहकारी ग्राम्य विकास बैंक शाखा हमीरपुर राम विलास

जन विचार प्रवाह

हरिहर आश्रम में रोपे गए फलदार पौधे



बांदा।कुरसेजा धाम प्रमुख परमेश्वरदास जी महाराज राम भारती की पावन अगुवाई में छापर स्थित हरिहर आश्रम परिसर में एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यवरण संतुलन और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आम, चीकू, नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अलख जगाने का सामूहिक संकल्प लिया।फ़केवल पौधे लगाना ही काफी नहीं, संरक्षण भी है जरूरी वृक्षारोपण के उपरांत श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए परमेश्वरदास जी महाराज राम भारती ने कहा कि वृक्ष ही मानव जीवन के मुख्य आधार हैं। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित और प्रदूषण मुक्त रखते हैं, बल्कि हमें स्वच्छ वायु, फल और छाया भी प्रदान करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल पौधा लगा देना ही हमारी जिम्मेदारी पूरी नहीं करता, बल्कि उनका नियमित संरक्षण और देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए।सामाजिक प्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने निमाई सहभागिताइस पर्यावरण-हितैषी कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से भविष्य में भी लगातार फलदार व छायादार पौधे लगाने और पर्यावरण रक्षा का संदेश जन-जन तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता जताई।कार्यक्रम में राजकुमार तिवारी उर्फ फुल्लन बहुआ, राकेश पांडे बहुआ, शम्भू दयाल तिवारी ,अनू शुक्ला ,रामराज सिंह चौहान प्रधान महुई, संजय सिंह प्रबंधक, शिवदर्शन कॉलेज तिवदारी, राजेश सिंह पूर्व ब्लॉक प्रमुख, लुक्तरा, शिवनायक सिंह प्रधान, मिडौरा, बलवान सिंह पूजा नेता, अजय सिंह ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि, जगदीश सिंह फौजी तथा राहुल गुप्ता तिवदारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पर्युषण पर्व पर गूंजा श्रुतम त्याग धर्मश् का सदेश

बांदा।पर्युषण पर्व के आठवें दिन बुधवार को जैन समाज द्वारा श्रुतम त्याग धर्मश् की आराधना पूरे श्रद्धा, भक्ति और उत्सास के साथ की गई। शहर के छोटी बाजार स्थित जैन चौत्थालय जी में विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर चौत्थालय परिसर में धर्म ध्वजा फहराई गई और भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया।फ़केवल धन छोड़ना नहीं, मन के विकारों का त्याग ही सच्चा त्यागकार्यक्रम के दौरान आयोजित धार्मिक प्रवचन में उत्तम त्याग धर्म की महिमा पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि त्याग का अर्थ केवल भौतिक धन-संपत्ति या सांसारिक वस्तुओं को छोड़ देना मात्र नहीं है। वास्तविक त्याग मन में छिपे लोभ, मोह, अहंकार, राग-द्वेष और कषायों का त्याग करना है। मनुष्य जब अपनी असीमित इच्छाओं और आसक्तियों पर नियंत्रण पाना सीख लेता है, तभी उसे आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है।प्रवचन में बताया गया कि भगवान महावीर स्वामी ने अपने जीवन में त्याग और संयम का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने राजसी ठाठ-बाट और सांसारिक सुखों को त्यागकर आत्म-कल्याण और सत्य की खोज का मार्ग चुना था। जैन धर्म के अनेक संतों और श्रावकों ने भी अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर परोपकार और संयम का संदेश दिया है।भक्तिमय वातावरण में गूंजी मां जिनवाणी की आरतीइस अवसर पर चौत्थालय में मां जिनवाणी की भक्ति भाव से महाआरती उतारी गई।

श्रद्धालुओं ने मनमोहक भजन-कीर्तन और स्तुतियों के माध्यम से वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।धर्म ध्वजा फहराने के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए समाज के प्रबुद्धजनों ने कहा कि इसका ६ थेय भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, संयम और त्याग के अमर संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है। समाज के लोगों ने जीवन से बुराइयों का त्याग करने के साथ-साथ विषय में अमन-चौन, सुख-शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखने की मंगल कामना की।

आरक्षण की मांग पर अड़ा अयोध्यावासी वैश्य समाज

बांदा।अयोध्यावासी वैश्य समाज को अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल किए जाने और एससीधएसटी एक्ट की तर्ज पर वैश्य एक्ट बनाए जाने की मांग को लेकर बुधवार को समाज के हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बांदा कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्र होकर समाज के प्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों ने जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्षजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। पिछले तीन दशकों से लंबित है पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के नेताओं ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अयोध्यावासी वैश्य समाज पिछले लगभग 30 वर्षों से अदिातक समय से ओबीसी श्रेणी में सम्मिलित किए जाने की निरंतर मांग करता आ रहा है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने इस संबंध में शोध 1 व सर्वेक्षण कराकर वर्ष 2012 तथा 2015 में शासन को अपनी संस्तुति भी भेजी थी, परंतु राजनीतिक उपेक्षा के कारण अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।समाज के वक्ताओं ने उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार राज्य में इसी वर्ग को श्रवध बनियाश् के नाम से आरक्षण प्राप्त है, उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी अयोध्यावासी वैश्य समाज को अतिश्रीघ्न ओबीसी श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए।

जो मांग पूरी करेगा, वैश्य समाज उसी का समर्थन करेगा प्रदर्शन के दौरान वैश्य समाज ने अपना राजनीतिक रुख भी पूरी तरह स्पष्ट कर दिया। वैश्य समाज के व्यापारियों व नागरिकों के उन्पीड़न को रोकने के लिए अनुसूचित जातिधजनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की तर्ज पर कठोर कानून या वैश्य एक्ट बनाया जाए।

जो भी राजनीतिक दल या जनप्रतिनिधि हमारी आरक्षण व सुरक्षा की मांगों का समर्थन करेगा, आगामी चुनावों में पूरा समाज एक होकर उसी दल के पक्ष में राजनीतिक फैसला लेगा। कलेक्ट्रेट में जुटी भारी भीड़, समाज के प्रमुख लोग रहे मौजूदइस बड़े शक्ति प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में दिनभर भारी गहमागहमी का माहौल रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रमोद गुप्ता (राजा), वीरेंद्र गुप्ता, बाबू राजकुमार गुप्ता, राजू वृंदावन वैश्य, अजीत गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, विवेकानंद गुप्ता, शिवपूजन गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, रत्नेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, वंदना गुप्ता, पार्वती गुप्ता, सरोज गुप्ता, भानु गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, विनय गुप्ता, संतोष गुप्ता, मनोज गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार के. के. गुप्ता, पत्रकार बसंत गुप्ता, पत्रकार अंशु गुप्ता, राजेश गुप्ता, अनशानकारी शिव गोपाल गुप्ता, पुरुषोत्तम गुप्ता, नीतू गुप्ता, अवधेश गुप्ता खादी वाला, पुनीत गुप्ता, गोविंद गुप्ता और दयाराम गुप्ता सहित हजारों की संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

सक्षम द्वारा दृष्टिबाधित बच्चों संग रक्षाबंधन और ऋषि अष्टावक्र जयंती का आयोजन -स्पर्श एवं दृष्टिबाधित राजकीय विद्यालय में हुआ कार्यक्रम



बांदा।समदृष्टि, क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम), जिला इकाई बांदा के तत्वावधान में बुधवार, 23 सितंबर 2026 को स्पर्श एवं दृष्टिबाधिात राजकीय विद्यालय में दृष्टिबाधित

कृषि विश्वविद्यालय में सात दिवसीय रेबीज जागरूकता सप्ताह का हुआ आगाज -प्राथमिक व जूनियर स्कूल के बच्चों को दी गई रेबीज से बचाव की जानकारी



बांदा। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय रेबीज जागरूकता सप्ताह 22 से 28 सितंबर का शुभारंभ किया गया। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय और विद्यार्थियों को रेबीज जैसी घातक बीमारी के प्रति सचेत

बनारस की तर्ज पर बांदा में पहली बार माँ केन की महाआरती



बांदा।ऐतिहासिक भूरागढ़ किले के समीप स्थित केन आरती स्थल घाट पर मंगलवार की शाम एक नया इतिहास रचा गया। बनारस की प्रसिद्ध गंगा आरती की तर्ज पर बांदा में पहली बार माँ केन की भव्य महाआरती का दिव्य आयोजन हुआ। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के

जर्जर पुल पर मंडरा रहा हादसे का खतरा -गइठों में तब्दील हुआ रास्ता, बाहर निकलीं सरिया



बांदा। शि रोड से कंचारा बाईपास की ओर जाने वाले पुल की बदहाल स्थिति राहगीरों और वाहन चालकों के

लिए लगातार किंा का सबब बनी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पुल पर पिछले कई महीनों से बड़े-बड़े गइठे



बांदा।उत्तर प्रदेश के लघु एवं सीमांत किसानों की आर्थिक उन्नति और कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्र

योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर

माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ।

बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष नीरज मिश्रा ने की तथा संचालन जिला युवा प्रमुख कृष्णा सिंह सैमरी ने किया। सक्षम की रीति-नीति के अनुसार संगठन मंत्र, सक्षम दृष्टिकोण व परिकल्पना, सक्षम गीत और राष्ट्रगीत का संस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए जिला युवा प्रमुख कृष्णा सिंह सैमरी ने रक्षाबंधन के पावन पर्व और ऋषि अष्टावक्र के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि हम केवल शरीर को देखकर किसी व्यक्ति का मूल्य तय करते हैं, तो हम उसके वास्तविक स्वरूप को नहीं समझ पाते। हमें थोड़ा बाहर देखना बंद कर अपने भीतर झाँकने की आवश्यकता है। विद्यालय के वार्डन अजीत प्रताप

करना तथा इंसानों व पशुओं में इसकी प्रभावी रोकथाम के उपायों की जानकारी देना है। सप्ताहव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम मवई बुजुर्ग में रेबीज जागरूकता गोष्ठी और मुफ्त पशु टीकाकरण शिविर के साथ हुई।गोष्ठी मेंविशेषज्ञों ने दिए जीवनरक्षक टिप्सग्राम मवई बुजुर्ग स्थित प्राथमिक एवं जूनियर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी में विषय विशेषज्ञ डॉ. नून् सिंह, डॉ. उमाकांत वर्मा, डॉ. जितेंद्र सिंह और डॉ. दीपेश भास्वत मिश्रा ने विद्यार्थियों को रेबीज के कारण, इसके फैलने के तरीके और प्रमुख लक्षणों के बारे में विस्तार से बताया।विशेषज्ञों की

केन नदी का किनारा देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वाराणसी का अद्भुत दृश्य सप्ताहत बांदा की धरती पर उतर आया हो। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक प्रवीण सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बांदा वन विभाग के डीएफओ पंकज कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विधि-विधान से माँ केन का पूजन-अर्चन कर महाआरती का औपचारिक शुभारंभ किया।मुख्य अतिथि प्रवीण सिंह ने कहा कि बांदा में माँ केन की महाआरती की शुरुआत एक बेहद सराहनीय और ऐतिहासिक पहल है। इससे हमारी भावी पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ेगी और भूरागढ़ क्षेत्र एक प्रमुख धार्मिक-पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। विशिष्ट अतिथि डीएफओ पंकज कुमार शुक्ला ने

जलमराव और कंक्रीट टूटने के कारण बाहर निकली लोहे की सरिया दुर्घटनाओं को सीधा न्योता दे रही है। चौबीसों घंटे भारी वाहनों की आवाजाही वाले इस मार्ग पर रात के समय गइठे दिखाई न देने से स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल की जर्जर स्थिति की जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंचने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। स्थिति इतनी खराब है कि पुल के आगे लगभग तीन किलोमीटर तक सड़क की हालत भी पूरी तरह बदहाल है। जगह-जगह दरारे गइठे और ऊबड़-खाबड़ सतह चालकों के लिए खतरे का कारण बनी हुई है।करोड़ों की लागत और निर्माण की गुणवत्ता पर सवालकरोड़ों रुपये की

जिलाधिकारी (न्यायिक) माया शंकर यादव द्वारा की गई। इस दौरान जनपदभर से आए बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर सीधा प्रसारण देखा और योजना का स्वागत किया।अन्यदाता कृषकों का हुआ सम्मानसभाभार में उपस्थित किसानों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मूलवंद बड़ोखर खुर्द, फूला शंकर बबेरू, चुनू बबेरू,वीरेंद्र कुमार महुआ, छोट्टा रंगीली भटपुरा, नरेंरी राजेंद्र सिपाही लाल गाजीपुर ,दिलवर प्रसाद तिवदारी सहित अन्य

ने सक्षम संस्था की सराहना करते हुए कहा कि सक्षम न केवल बांदा में बल्कि पूरे देश में दिव्यांगजनों का संबल बनकर कार्य कर रहा है।

संरक्षक रामजोर सिंह चंदेल ने विद्यालय के शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संत सूरदास और जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य का उदाहरण देते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि आपके भीतर वे सभी क्षमताएं और प्रतिभाएं मौजूद हैं, जो किसी भी अन्य व्यक्ति में होती हैं। इसके पश्चात प्रांत कोषाध्यक्ष शक्तिभूषण सिंह गौतम ने सक्षम के सात आयामेंक्रकोष्ठों के तहत मान्यता प्राप्त 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र और राष्ट्रगान के साथ हुआ। सक्षम इकाई जनपद बांदा के मीडिया प्रभारी पी. के. सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान भरत मेडिकल स्टोर के उमेश जी द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर विद्यालय के वार्डन अजीत प्रताप सहित प्रांत सविता प्रकोष्ठ के मनोज सिंह परिहार, संरक्षक राम सिंह कछवाह, संरक्षक रमजोर सिंह चंदेल, सचिव रामनरेश सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अभिषेक सिंह, उपाध्यक्ष नीरज कुमार मिश्र, सह महिला प्रमुख पुष्पा परिहार, दिव्यांगमित्र रणजीत सिंह, बांदा तहसील संयोजक कमल सिंह, बड़ोखर ब्लॉक संयोजक वीरेंद्र यादव, दिव्यांगमित्र अवध बिहारी सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता व अ्थापक उपस्थित रहे।

प्रमुख सलाहकरुयदि कोई संदिग्ध पशु काट ले या खरोंच मार दे, तो घाव को तुरंत बहते पानी और साबुन से कम से कम 10.15 मिनट तक अच्छी तरह धोएं।प्राथमिक उपचार के बाद बिना किसी देरी के नजदीकी अस्पताल जाकर डॉक्टर की सलाह से एंटी-रेबीज का टीका लगावाएं।नुक्कड़ नाटक और श्वान टीकाकरण शिविर बने

आकर्षणजागरूकता संदेश को रोकक और प्रभावशाली बनाने के लिए पशु चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं ने मवई बुजुर्ग में एक जीवंत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से संक्रमित पशु के व्यवहार में आने वाले बदलावों, समय से टीकाकरण के महत्व को बखूबी दर्शाया गया।कार्यक्रम के दूसरे चरण में गाँव में पशु स्वास्थ्य एवं रेबीजरेषी टीकाकरण शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान चिकित्सकों की टीम ने कुत्तों को एंटी-रेबीज का टीका लगाया और पशुपालकों को सुरक्षित पशुपालन व नियमित वैक्सिनेशन की जानकारी दी।इस दौरान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के एसोसिएट डीन डॉ. शैलेंद्र चौरसिया, डॉ. उर्फेन्द्र सिंह, डॉ. मयंक डुबे सहित महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण व बच्चे उपस्थित रहे।

अपील करता हूँ कि हर मंगलवार शाम को अधिक से अधिक संख्या में आकर इस महाआरती में शामिल हों।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा केन नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर समाजसेवी राजेश तिवारी, अधिवक्ता प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दीपक शुक्ला, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरिया, जिला उपाध्यक्ष श्रीराम निषाद, जिला मंत्री ठाकुर राहुल सिंह, जिला मंत्री दीपू सिंह, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु सिंह, लोहा सिंह, चंद्रमान शुक्ला, अविनाश राय, जिला प्रचार मंत्री रजनीश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिससे लोगोंमेंअसंख्य ब्याप्त है।स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़े किए हैं।लोगों का कहना है कि जब समस्या महीनों से बनी हुई थी, तो नियमित निरीक्षण व्यवस्था के तहत इसे समय रहते दुरुस्त क्यों नहीं करया गया? क्या विभागीय मॉनिटरिंग केवल कागजों तक ही सीमित हैं?पुल और तीन किलोमीटर सड़क का तत्काल तकनीकी निरीक्षण करया जाए।खरते वाली जगहोंपर ढ़ांवनी बर्डव वसुक्ष बैरैकेडिंग लगाए जाएं।अस्थायी फ़ैदर लगाने को मरम्मतहर्निर्माण कार्य दिया

मरम्मत कराई जाए।राहगीरों ने अश्कंन जताई है कि यदि समय रहते कोई कठोर और स्थायी कदम नहीं उठया गया, तो किसी बड़े हादसे के बाद ही जिम्मेदार महकमे की नंद टूटेगी।

स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से 1प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज छूट का प्राक्धान किया गया है। यह ऋण उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि. के माध्यम से दिया जाएगा। ऋण स्वीकृति के लिए ऑनलाइन इ-पोर्टल तैयार किया गया है।कु पि योग्य भूमि के साथ-साथ अन्य अचल संपत्तियों को षंक रखकर भी ऋण प्राप्त किया जा सकता है। योजनाओं के तहत पात्र अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति वर्ग के परिवारों को स्वरोजगार व शिक्षा

3

बलराम सिंह ने फिर की आज अर्नब चक्रवाती तूफान की भविष्यवाणी

प्रयागराज। पूर्व में की मौसम संबंधी सटीक भविष्यवाणी कर चुके बलराम सिंह निवासी राजापुर कलां गड़वारा प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश ने मुख्यालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली भेजे गए ई-मेल में पूरे उत्तर भारत में चक्रवाती तूफान की भविष्यवाणी की है।

उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भेजे गये ई-मेल में कहा है कि 24 सितंबर को मध्य बंगाल की खाड़ी में खतरनाक चक्रवात उठने वाला है, जिससे पूरा उत्तर भारत प्रभावित होगा। उन्होंने कहा है कि स्थानीय उपग्रह केंद्रों को तथा बचाव दल को सावधान करने की कृपा करें, जिससे जान माल की क्षति को रोका अथवा कम किया जा सके। ज्ञात हो कि बलराम सिंह 26 वर्षों से आपदा पर पर शोध कार्य में संलग्न है और कई सटीक भविष्यवाणी कर चुके हैं।

इलाहाबाद विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव का कार्यकाल बढ़ा

प्रयागराज। इलाहाबाद केन्द्रीय यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव को दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने उनका कार्यकाल पांच वर्ष के लिए बढ़ाया है। उनका दूसरा कार्यकाल पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक रहेगा। दोनों में से जो भी अवधि पहले पूरी होगी, उसी आधार पर उनका कार्यकाल समाप्त माना जाएगा।

इस बारे में भारत सरकार के अंडर सेक्रेटरी राजेश कुमार की ओर से विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को पत्र भेजा गया है। पत्र के माध्यम से प्रो. संगीता श्रीवास्तव को कुलपति पद पर दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त किए जाने की सूचना दी गई है। पुनर्नियुक्ति से विश्वविद्यालय में प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों में निरंतरता बनी रहने की उम्मीद है।प्रो. संगीता श्रीवास्तव का पहला विस्तार नवंबर 2025 में मिला था। उनका मूल 5 साल का कार्यकाल 29 नवंबर 2025 को पूरा हो रहा था। प्रशासनिक निरंतरता और नए कुलपति के चयन की प्रक्रिया पूरी होने तक, नवंबर 2025 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा उनका कार्यकाल अग्रिम आदेशों तक बढ़ा दिया गया था। कार्यकाल का दूसरा विस्तार सितंबर 2026 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा उनके कार्यकाल को 5 साल के लिए या 70 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो) के लिए दोबारा बढ़ाया गया है।

चतुर्थ वाहिनी पीएससी जवानों ने बचाई डूब रहे युवक की जान

प्रयागराज। चतुर्थ वाहिनी पीएससी प्रयागराज के बाढ़ राहत दल ने बलुआ घाट पर यमुना नदी में डूब रहे एक युवक को सुरक्षित बचाकर सराहनीय कार्य किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 23 सितंबर को दोपहर लगभग 11रू50 बजे उन्वूटी पर तैनात आरक्षी अमरेश चन्द्र एवं आरक्षी रजनीश कुमार गौड़ ने लाइफ़बॉय की मदद से नदी में कूदकर जालंधर (पंजाब) निवासी रहित चोपड़ा को डूबने से बचा लिया।

हेतु 3.50प्रतिशत से 6प्रतिशत की निम्न ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करया जा रहा है। जनपद की तीनों शाखाओं ने बैंक व्यवसाय में लगातार वृद्धि करते हुए पिछले 3 वर्षों में 756 किसानों को लाभान्वित कर 572.88 लाख का ऋण वितरित किया है। एकमुश्त समाधान योजना अप्रैल 2018 से सितंबर 2022 के तहत 431 लाभार्थियों को बैंक ने अपने संसाधनों से 167.84 लाख की ब्याज छूट प्रदान की है।

जन विचार प्रवाह

उम्मीद की गूंज



सुरेश हिंदुस्तानी यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों

पर टिप्पणियों आरोपों कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा संवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासीअभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों

की समस्याओं शिक्षा, परीक्षाओं रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उड़ाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के सम्मक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में संवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर संवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे संवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरु हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का

छत्तीसगढ़ की पहचान लंबे समय तक स्थान के कटोरेख के रूप में रही है। खेतों में लहलहाती फसलें प्रदेश की समृद्धि की कहानी कहती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ छत्तीसगढ़ ने विकास की अपनी यात्रा शुरू की है। इस बदलाव की सबसे बड़ी ताकत प्रदेश के युवा और अनुभवी मानव संसाधन हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद के हालिया निर्णय इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं। एक ओर नवा रायपुर अटल नगर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) की स्थापना होने से युवाओं को आधुनिक कौशल का मंच मिलेगा, वहीं दूसरी ओर विभिन्न शासकीय एवं संबद्ध संस्थाओं में कार्यरत वर्गों के लिए अधिकतम आयु सीमा 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष किया जाना अनुभव और क्षमता को नए अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय है।

सपनों को डिग्री के साथ हुनर भी चाहिए

आज का युवा केवल शिक्षा नहीं, रोजगारपरक कौशल चाहता है। उद्योगों की बदलती जरूरतों के बीच ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्व बढ़ गया है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ग्राम तंदुवा में एनएसटीआई की स्थापना के लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय को 10 एकड़ भूमि निरुशुल्क आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाले इस संस्थान का आधुनिक शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्रावास सुविधाएं होंगी। यहां दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों में हर वर्ष करीब एक हजार तथा अल्पकालीन कार्यक्रमों में लगभग तीन हजार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। हजारों युवाओं के सपनों से जुड़ा अवसर है। इससे कोई तकनीकी कौशल हासिल करेगा, कोई उद्योग से जुड़ेगा, तो कोई अपना उद्यम शुरू कर दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

कौशल से रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह एनएसटीआई की स्थापना होने से युवाओं को प्रशिक्षण के साथ बदलती तकनीक और उद्योग की जरूरतों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। आज कौशल केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की क्षमता है। गांव और कस्बे के युवा को भी उद्यमशील बनने का अवसर मिलेगा। एक प्रशिक्षित युवा नौकरी तलाशने वाला बनने के साथ नौकरी देने वाला उद्यमी भी बन सकता है। यही कौशल से उद्यमिता और रोजगार से आत्मनिर्भरता की यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के युवाओं से अवसर कहते हैं कि ऐसा कार्य करें जो युवाओं को रोजगार देने वाला बने, ताकि उनकी नई पहचान बन सके। अिाकतम आयु सीमा को 38 से बढ़ाकर 45 वर्ष करने का निर्णय उन लोगों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है, ।



इससे पहले हमने गणेश भगवान जी के लम्बोदर नाम के बारे में विस्तार से बताया था। आज हम आपको गणेश जी के विकट स्वरूप का स्तुति मंत्र उसका अर्थ और उसके पीछे की

कहानी को बतायेंगे। विकट भगवान का स्तुति मंत्र ये है—

विकटो नाम विख्यातः कामासुरविदाहकः।

मयूरवाहनश्चायं सौरब्रह्मधारः।

की समस्याओं शिक्षा, परीक्षाओं रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उड़ाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के सम्मक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में संवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर संवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे संवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरु हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का

ललित गर्ग । नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटॉग लिरिंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत—शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन—क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक—आइस अवलॉच और उसके बाद आई मलबा—बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूभौमध्य कारणों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटॉग लिरिंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूभूमिय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास—विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मारर यह सब हिमालय की वहन—मत्ता के अनुरूप होना चाहिए।भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिविकम में हो सकता है, झील उत्तरार्खंड में और उसका संभावित बाढ़—मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल—स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना—चौकी, पर्वटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियां तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल—भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय

गणेश जी को क्यों कहते हैं विकट और विघ्नराज

स्मृतः ।।

भगवान श्री गणेश का विकट नामक प्रसिद्ध अवतार कामासुर का संहारक है, विकट भगवान का वाहन मोर होता है और ये सूर्य ब्रह्म के धारक है।

कहते हैं भगवान विष्णु जब जालन्ार का वध करने के लिये वृन्दा का तप नष्ट करने गये थे, उसी समय शुक्र से अत्यन्त तेजस्वी कामासुर नामक राक्षस पैदा हुआ था। कामासुर दैत्य गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा लेकर तपस्या के लिए वन में गया। वहाँ उसने पंचाक्षरी मन्त्र का जप करते हुये कठोर तपस्या प्रारम्भ की। भगवान शिव की तपस्या के लिये उसने अन्न, जल छोड़कर कठिन तप किया। उसकी तपस्या से भगवान शिव अत्यधिक प्रसन्न हुये। भगवान शिव ने प्रसन्न होकर कामासुर से वर मांगने के लिये कहा। वह भगवान शिव के चरणों में गिर पड़ा। उसने शिव जी से ब्रह्माण्ड का राज्य तथा मृत्युजयी होने का आशीर्वाद मांगा। भगवान शिव ने कहा—यद्यपि तुमने

अत्यन्त दुर्लभ, देवताओं को दुख देने वाली याचना की है लेकिन मैं तुम्हें यह वरदान देता हूं। कामासुर प्रसन्न होकर अपने गुरु शुक्राचार्य के पास लौट आया। शुक्राचार्य ने प्रसन्न होकर महिषासुर की रुपवती पुत्री तुष्णा के साथ उसका विवाह कर दिया। उसी समय समस्त दैत्यों के सामने कामासुर को दैत्यों का राजा बना दिया। सभी दैत्य उसके अधीन रहने लगे।

कामासुर ने अत्यन्त सुन्दर रतित नामक नगर में अपनी राजधानी बनाई। उसने रावण, शम्बर, महिष बलि तथा दुर्भद को सेना का प्रभान बनाया। महा असुर ने पृथ्वी के समस्त राजाओं पर आक्रमण करके उन्हें जीत लिया। फिर उसने स्वर्ग पर चढ़ाई शुरू कर दी। उसके असीम पराक्रम के आगे इन्द्रादि देवता भी नहीं उठर सके। सभी उसके अधीन हो गये। धर्म—कर्म नष्ट होने लगे जिसके परिणाम स्वरूप ऋषि—मुनि दुःखी हो गये। इसके बाद ऋषि मुरगल की प्रेरणा पाकर सारे देवता और मुनिगण

मयूरेश क्षेत्र में पहुंचकर गणेश जी की आराधना करने लगे। देवताओं की आराधना से मयूर के वाहन वाले भगवान विकट प्रकट हुये। उन्होंने देवताओं से वर मांगने के लिए कहा। तब देवताओं ने अपने कष्ट बताये कि उन्हें कामासुर ने परेशान कर रखा है। हमारी उससे खाा करें। विकट भगवान त्थास्तु कहकर अर्न्तध्यान हो गये। उन्होंने देवताओं के साथ कामासुर के नगर को घेर लिया। दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। अन्त में गणेश भगवान ने कामासुर को अपनी शरण में आने के लिए कहा। इस युद्ध में कामासुर के दोनों पुत्रों शोषण और दुम्पूर मारे गये। भगवान विकट ने कामासुर से कहा कि अगर तुम अपनी खाा चाहते हो तो देवताओं को परेशान करना छोड़ दो। भैरी शरण में आ जाओ। अन्यथा तुम्हारा जीवन सम्पन्न नहीं है। कामासुर क्रोधित हो गया और उसने भगवान विकट पर अपनी गदा फेंक दी। वह गदा भगवान को स्पर्श किये बिना ही पृथ्वी पर गिर गई।

कामासुर मूर्छित हो गया। उसकी सारी ताकत खत्म हो गई। वह समझ गया कि जब इस देवता ने बिना शस्त्र ही भैरी यह हालत कर दी है तो शस्त्र उठायेगे तो क्या होगा वह भगवान विकट की शरण में आ गया। विकट भगवान ने उसे क्षमा कर दिया। देवता और ऋषि—मुनि भय मुक्त हो गये।

गणेश को क्यों कहते हैं विघ्नराज इससे पहले हमने आपको गणेश जी के विकट नाम के बारे में विस्तार से बताया था। आज हम भगवान गणेश के विघ्नराज स्वरूप, स्तुति मंत्र उसके अर्थ और पीछे की कहानी को बतायेंगे। भगवान विघ्नराज का स्तुति मंत्र ये है—

विघ्न राजावतारश्च शेषवाहन उच्यते।।

ममतासुर हन्ता स विष्णुब्रह्मोति वाचकः ।।

भगवान श्री गणेश का 'विघ्नराज' अवतार विष्णु ब्रह्म का रूप है। उसका वाहन शेषनाग है तथा वह ममतासुर का संहारक है।

विचार

जौनपुर,गुरुवार 24 सितम्बर, 2026

4

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

को भी लोकतान्त्रिक मर्यादा के तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था, इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम दृष्टया राजनीतिक आरोप लगना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं।[आरोप—प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी। परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है।

इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से संवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए। विपक्ष के आरोपों का

उत्तर दीजिए, लेकिन वैकल्पिक नीति के साथ दीजिए। व्यंग्य कीजिए, लेकिन ऐसी सीमा का ध्यान रखिए जहां राजनीतिक आलोचना व्यक्तिगत अपमान में न बदल जाए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, किंतु असहमति को संवाद में बदलना उससे भी अधिक आवश्यक है। राजनीति का उद्देश्य केवल यह सिद्ध करना नहीं होना चाहिए कि दूसरा पक्ष गलत है, राजनीति का बड़ा उद्देश्य यह बताना होना चाहिए कि जनता के लिए सही रास्ता क्या है और उस रास्ते पर चलने की योजना क्या है।

आज जनता राजनीतिक दलों से यही अपेक्षा कर रही है कि वे आरोपों की राजनीति से आगे बढ़ें और समाधान की राजनीति को केंद्र में लाएं। यदि राजनीति लगातार व्यक्तियों के इर्द—गिर्द घूमती रही तो मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। और जब मुद्दे पीछे छूटते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता की वास्तविक समस्याएं भी राजनीतिक विमर्श से बाहर होने लगती हैं। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है कि कटाक्ष कम हों, संवाद बढ़े, आरोप कम हों, तथ्य बढ़ें और व्यक्तियों से अधिक मुद्दों पर राजनीति हो। यही लोकतंत्र की गरिमा भी है और जनता के प्रति राजनीति की वास्तविक जिम्मेदारी भी।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने



समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक—दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान—प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा—पार अलै—वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूभौमध्य अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा—प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूभौमध्य संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधि यां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बनें। अब जरूरत भय पैदा करने

की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन—क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुझा सार्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है—प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह संवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ कि कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जटिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी—वे हमारी विकास—दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

जन विचार प्रवाह

नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक पर गंभीर आरोप, जिलाधिकारी से जांच की मांग

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर के पूर्व सभासद सज्जाद खान ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पालिका में तैनात राजस्व निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह पर गृहकर—जलकंकर और अन्य राजस्व वसूली में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की विभागीय जांच कराकर विधिक कार्रवाई की मांग की है।जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका के गृहकर—जलककर असेसमेंट रजिस्टर के कॉलम नंबर—5 में भवन में रहने वाले व्यक्ति, संस्था या किरायेदार का नाम और वास्तविक मासिक किराया दर्ज किया जाना चाहिए। इसी आधार पर गृहकर व जलकर निर्धारित होता है। आरोप है कि कई मामलों में इसका पालन नहीं किया जा रहा है।

पत्र में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर बने बैंक, मॉल, होटल, गेस्ट हाउस, निजी अस्पताल, नर्सिंग

स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद जरूरी विशेषज्ञों ने बताए फायदे

सुलतानपुर। 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को जनपद में स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. डीएस मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी तथा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. डीएस मिश्र ने आयुर्वेद की उपयोगिता

होम, मैरिज लॉन और बड़े शोरूम जैसी संपत्तियों का विवरण असेसमेंट रजिस्टर में दर्ज नहीं किया गया है। आरोप है कि इन पर मानक के अनुरूप टैक्स नहीं लगाया गया और पूर्व में लगाए गए टैक्स को भी कम किया जा रहा है।पूर्व सभासद ने यह भी आरोप लगाया है कि शासन के निर्देश के बावजूद भवनों का पुनर्मूल्यांकन निर्धारित समय पर नहीं कराया जा रहा है। इससे पालिका को हर वर्ष राजस्व की क्षति होने का दावा किया गया है। प्रार्थना पत्र के एक अन्य बिंदु में पार्किंग शुल्क वसूली को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि पार्किंग का ठेका एक माह का अग्रिम शुल्क जमा कराने के बाद संचालित किया जाना चाहिए, लेकिन संबंधित ठेकेदार द्वारा करीब दो माह का शुल्क बकाया होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। साथ ही ठेके पर लगने वाले लाखों रुपये के स्थान शुल्क की भी वसूली नहीं किए

जाने का आरोप लगाया गया है। सज्जाद खान ने अब्दुल्ला गंज स्थित पालिका की 13 कोठरियों का भी उल्लेख किया है। उनका आरोप है कि वर्षों पूर्व इनका किराया महज दो रुपये था और बाद में इन्हें ‘अस्तित्वहीन’ घोषित कर किरायेदारों के पक्ष में बिक्री का शासनादेश जारी किया गया। प्रार्थना पत्र के अनुसार, वर्तमान में इन कोठरियों पर कब्जे हैं और निर्माण भी किए जा रहे हैं, जबकि वर्ष 2012 से वास्तविक किराया पालिका में जमा नहीं होने के कारण पुराने किरायेदारों के नाम डिमांड रजिस्टर से काटे जा चुके हैं। इसके बावजूद कुछ लोगों के वहां रहने का आरोप लगाया गया है।पूर्व सभासद सज्जाद खां ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच कराते हुए संबंधित राजस्व निरीक्षक के खिलाफ विभागीय जांच और विधिाक कार्रवाई की मांग की है।



फतेहपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय चुनाव में राजेंद्र सिंह को जिला यक्ष, विजय त्रिपाठी को जिला मंत्री व धर्मेन्द्र कुमार को जिला कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी

के निर्देश पर आयोजित चुनाव पर्यवेक्षक देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रदेश संयुक्त मंत्री और चुनाव अधिकारी अनिल पांडेय, मंडलीय मंत्री की देखरेख में संघ के निर्धारित प्राक्ानों के अनुसार संपन्न हुआ।निर्धारित समय दोपहर 12 बजे



फतेहपुर। आरवीएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रतिभा सम्पन्न मार्शल आर्ट विद्यार्थियों ने राजस्थान के जोधपुर स्थित महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मृति धाम में आयोजित छठी हैंड—टू—हैंड फाइटिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 6 गोल्ड, 6 सिल्वर व 4 ब्रोंज मेडल जीतकर न केवल अपने विद्यालय बल्कि जनपद के साथ—साथ राज्य उत्तर प्रदेश को भी जश्न मनाने का अवसर प्रदान किया।

नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। नामांकन पत्र लेने के लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया गया था। इस अवधि में जिलाध् यक्ष, जिलामंत्री व जिला कोषाध् यक्ष पद के लिए एक—एक नामांकन दाखिल हुआ। नामांकन पत्रों की जांच में सभी पर्व वैध पाए गए। इसके बाद चुनाव पर्यवेक्षक व चुनाव अधिकारी ने तीनों पदों पर एक—एक नामांकन होने के कारण राजेंद्र सिंह, विजय त्रिपाठी और धर्मेन्द्र कुमार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। राजेंद्र सिंह पूर्व में भी जिलाध्यक्ष व विजय त्रिपाठी जिला मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं धर्मेन्द्र कुमार पूर्व में नगर अध् यक्ष पद पर कार्यरत थे। परिणाम की घोषणा होते ही मौके पर मौजूद

प्रतियोगियों को सम्मानित किया व इसी लगन से पढ़ाई में भी अव्वल आने को प्रेरित किया। विद्यालय के मार्शल आर्ट प्रशिक्षक नीरज शर्मा ने बताया कि हैंड—टू—हैंड फाइटिंग स्पोर्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट मास्टर प्रदीप शिंदे से प्राप्त निमंत्रण पाकर विद्यार्थियों को प्रतिभाग कराया गया। विद्यालय की कुशाय छात्रा काव्या सिंह ने अपने वर्ग में एक के बाद एक प्रतियोगी मार्शल आर्टिस्टों से मिली चुनौतियों को ध

वस्त करते हुए न केवल गोल्ड मेडल जीता बल्कि बेस्ट फाइटर् की ट्रॉफी पर भी अपना नाम अंकित कर डाला। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वालों में वैभव सिंह कक्षा सात, रामजी गुप्ता व शौर्य गुप्ता दोनों कक्षा आठ, शिवांग मणि सिंह व काव्या सिंह दोनों कक्षा पंच और तेजस प्रताप सिंह कक्षा छह ने अपनी तेजी, सतर्कता, सटीक

सैकड़ों डेलीगेट और हजारों शिक्षक समर्थकों ने तालियां बजाकर और नारे लगाकर नवनिर्वाचित पदाधिाकारियों का स्वागत किया। चुनाव के दौरान शिक्षकों की भारी भीड़ के चलते जीटी रोड से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय तक यातायात प्रभावित रहा। जनपद के विभिन्न ब्लाकों से करीब पांच सैकड़ा डेलीगेट के साथ बड़ी संख्या में शिक्षक और समर्थक चुनाव स्थल पर पहुंचे। परिणाम घोषित होने के बाद जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने धर्िन्द्र सिंह सेंगर को वरिष्ठ उपाध् यक्ष और अमित त्रिवेदी को संयुक्त मंत्री बनाए जाने की घोषणा की। इस दौरान देवमई के अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, तेलियानी अध्यक्ष लाल देवेंद्र प्रताप सिंह, धाता अध्यक्ष हर्षवर्धन

सिंह, हथगाम अध्यक्ष अखिलेश त्रिपाठी, अमौली अध्यक्ष अरुण वर्मा, खागा तहसील प्रभारी दिनेश कुमार सिंह, बिंदकी तहसील प्रभारी शिव प्रकाश, मलवां मंत्री अनिल वर्मा, भिटौरा यंत्री शैलेंद्र प्रताप सिंह, नगर मंत्री मीनाक्षी श्रीवास्तव, विजयीपुर मंत्री योगेंद्र कुमार, हसवा मंत्री विवेक सचान, तेलियानी मंत्री मनोज प्रकाश, धा

ताता मंत्री पंकज सिंह, ऐरायां मंत्री आकाश कुमार सिंह, खजुहा मंत्री मुनेश्वर चंद्र, बहुआ मंत्री संतोष कैंथल, अमौली मंत्री कुमार मीनाक्ष, हसवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, असोथर के फूल सिंह राजपूत समेत विभिन्न ब्लाकों से आए शिक्षक मौजूद रहे।

आरवीएस के फाइटरों ने राष्ट्रीय चौपियनशिप में 6 स्वर्ण सहित जीते 16 पदक

आक्रमण आदि का बेहद ही शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्र में विद्यालय व जनपद का नाम रोशन किया। सिल्वर मेडल जीतने वालों में नकुल सिंह, सुमित सिंह व विजय दत्त हलवाई तीनों कक्षा दस, प्रियान्शु प्रताप सिंह कक्षा बारह, कृष्णा सिंह कक्षा छह और आलोक सिंह कक्षा

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन, सीएचसी की बदहाल व्यवस्थाओं पर विधायक से सवाल

अखंडनगरस्सुल्तानपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अखंडनगर परिसर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन ब्रजुवार को कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने किया। उद्घाटन के बाद विधायक ने अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान स्थानीय पत्रकारों ने सीएचसी में लंबे समय से बनी समस्याओं को लेकर विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया। वरिष्ठ पत्रकार उदय भान सिंह, बबलू सिंह, अनुराग त्रिपाठी, संतोष कुमार और नरेश कुमार ने अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध ा न होने का मुद्दा उठाया। पत्रकारों ने कहा कि अल्ट्रासाउंड के लिए गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ता है।

सुना है आप हर आशिक के घर तशरीफ लाते हैं

प्रयागराज। वारसी कमेटी (रजि०) उ०प्र० सरकार प्रयागराज (इलाहाबाद) की सलाना विशेष बैठक आज वारसी कमेटी कार्यालय में कमेटी के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी (मुतवल्ली) की अध्यक्षता में की गयी। इस बैठक का खिताब करते हुए कमेटी के अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद आरिफ वारसी ने कहा कि यह मुबारक महीना है। इस मुबारक महीने में हजारत पीराने पीर, दरस्तगीर, रौशन जमीर हजरत सरकार गौस—ए—आजम (20अ०) हमेशा मिस्कीनों, गरीबों, बेवाओं, यतीमों, मजलूमों की हमेशा मदद किया करते थे और खैरात करते थे इसलिए हम इनकी याद में 11वीं शरीफ मनाते हैं॥र्र जो भी उनसे मन की मुरादें मांगते हैं या उनकी दरगाह पर जाते हैं उन सबकी मुरादें सुनते हैं और उनकी इमदाद करते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि जो भी लोग किसी भी धर्म या मजहब के हों मन में या गौस अल मदद तो आज भी वह उनकी मदद करते हैं और निगाहे करम करते हैं। अध्यक्ष ने कहा कि कल वारसी कमेटी की जानिब से दागाह हजरत सैय्द रौशन अली शाह (२०अ०) पर आज 24 सितंबर सरकार गौस—ए— आजम की नजर (दस्तरखान) पेश किया जायेगा। जिसमें सभी पंजतनी गुलामाने कादरी व वारसी एवं अक़ीदतमंदों से गुजारिश की गयी है। इस मौके पर वारसी कमेटी के सभी पदाधिकाश्रीगण व सदस्यगण इस्लाम उल्ला वारसी, अरुण कुमार कुशावाह, इकबाल अबमद वारसी, संगम मिश्रा वारसी, गुलाम निजामउद्दीन वारसी (अयान), खुशहाल सिंह वारसी, मोहम्मद नसीम वारसी, राधा कनौजिया वारसी, गौसिया हबीबी, अनिसा बेगम वारसी, अनामिका शर्मा वारसी, इन्तिशा फात्मा वारसी, मोहम्मद निजामउद्दीन वारसी (शेरू), शनिपाल वारसी, अफसार अहमद वारसी (पप्पु), अमित कुमार वारसी (एडवोकेट), शेष कुमार जायसवाल वारसी, मोहन्द आसिफ वारसी (सोनु), बृजेश केशरवानी (एडवोकेट), आदि शामिल रहे।

चार दिन से दो सगी बहनें लापता



की जानकारी मिलने के बाद सराय ममरेज थाना पुलिस भी दोनों बच्चियों की तलाश में जुटी है। पुलिस बच्चियों के बारे में जानकारी जुटाने के साथ ही उनके संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। सोशल मीडिया पर सामने आई अपीलों में भी उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रयागराज पुलिस से बच्चियों को जल्द तलाश करने की मांग की गई है।परिजनों ने लोगों से अपील की है कि निधि या अनन्या कहीं दिखाई दें तो उन्हें रोकने या किसी तरह की कार्रवाई करने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।

जेटीडीसी में धूमधाम से मनाया गया 51वाँ स्थापना दिवस समारोह

वृक्षारोपण, टेलेंट सर्च, सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन



प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की में महाविद्यालय का 51वाँ स्थापना दिवस समारोह आज हर्षल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में

28 से 30 सितंबर तक खम्मम, तेलंगाना में एआईकेएयएस का चौथा अखिल भारतीय सम्मेलन’

प्रयागराज। अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा, एक वामपंथी, क्रांतिकारी किसान संगठन, 28 से 30 सितंबर तक खम्मम, तेलंगाना में अपना चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है। सम्मेलन का भारत में किसान संघर्षों की भावी दिशा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष वी. वेंकटरमैया और महासचिव डॉ. आशीष मित्तल ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में तीन कृषि कानूनों के आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका से उत्साहित, यह वर्तमान आरएसएसख्बोजेपी शासन के तहत किसानों पर नए सिर्रे से हो रहे कॉरपोरेट समर्थक और जमींदार समर्थक हमलों के खिलाफ संघर्षों को नई गति देगा। एआईकेएयएस और इसकी पंजाब इकाई, कीर्ति किसान यूनियन, सकेएम आंदोलन की परिकल्पना, योजना बनाने, उसे क्रियान्वित करने और बनाए रखने तथा उसे दिल्ली की सीमाओं तक आगे बढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। उस अनुभव ने कैंडर को सम्मेलन के आह्वान को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित किया है

इविवि में छात्रसंघ बहाली को लेकर पोस्टर वार



प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रसंघ की चुनाव बहाल करने को लेकर सवाल

किया गया। इनमें लिखा था—यूपी में छात्रसंघ पर ताला, दिल्ली में छात्र पर माला और छ्पूी में छात्रसंघ चुनाव कब बहाल होंगे?एनएसयूआई यूपी के प्रदेश महासचिव और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रनेता आदर्श सिंह भदौरिया ने कहा— अब छात्रसंघ बहाली के सवाल को विश्वविद्यालय परिसर से बाहर शहर के प्रमुख चौराहों तक ले जाया जा रहा है। चौराहों पर लगाए गए पो्टरों के जरिए सरकार



आंदोलन को फिलहाल स्थगित किया गया है। मांग पूरी नहीं हुई तो दोबारा आंदोलन किया जाएगा।

प्रतीभा रांटा ने द रेवोल्यूशनरीज में अपने किरदार को लेकर की बात, कहा- जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन

श्द रेवोल्यूशनरीजय में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निगाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है। प्रतीभा रांटा ने कहा, हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंश्रुओं से लड़ रहे थे तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंश्रुज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे ब्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है।उन्होंने आगे कहा, उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? भेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थी। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थी।अभिनेत्री ने आगे बताया, वह पढ़ने की बहुत शौकीन थी। उनकी पढ़ाई में भी काफी दिलचस्पी थी। दरअसल, प्रतिभा और सचिंद्र नाथ सान्याल के बीच जिन पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था, उन सभी को वह हल कर लेती थी, क्योंकि वह बहुत हेशियार और तेज-तर्रार थीं। वह कोडेड पत्रों को समझ लेती थीं। यह वाकई बिल्कुल अद्भुत था।इद रेवोल्यूशनरीजय चार स्वतंत्रता सेनानियों रास बिहारी बोस, प्रतिभा लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल और बाघा जतिन की कहानी है, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ मोर्चा समाला था। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में रोहित सराफ, प्रतीभा रांटा, गुरफत्तेह पीरजादा और जेसन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।यह शो उन भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी बताता है, जो मानते थे कि ब्रिटिश राज को खत्म करने के लिए सशस्त्र प्रतिरोध न केवल जरूरी था, बल्कि अपरिहार्य भी था। इन क्रांतिकारियों के लगातार प्रयासों के कारण ही ब्रिटिश साम्राज्य को अपनी राजधानी को कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करना पड़ा था। इद रेवोल्यूशनरीजय को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा सकता है।



डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बोल्ड ट्रेडिशनल लुक से दिशा पाटनी ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

बॉलीवुड की सबसे फिट और स्टनिंग अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने नए और दिलकश अंदाज से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पारंपरिक रेड लहंगे में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं। वेस्टर्न आउटफिट्स में तहलका मचाने के बाद, दिशा का यह देसी लेकिन बेहद ग्लेमरस अवतार इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। दिशा ने रॉयल रेड कलर का भारी कढ़ाई वाला लहंगे का सेट पहना है। इस पारंपरिक एथनिक आउटफिट पर बारीक सुनहरे और रेशमी धागों की डिटेलिंग, फ्लोरल मोटिफ्स और बॉर्डर पर खूबसूरत गोटा-पट्टी या एम्बेलिशमेंट वर्क नजर आ रहा है।आउटफिट का सबसे मुख्य आकर्षण उनकी डीप-कट नेकलाइन वाली स्लीवलेस क्रॉप चोली है। यह चोली उनके स्लीक बॉडी कर्व्स और टॉड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है।इसके साथ दिशा ने मैचिंग रेड नेट का टुपड़ा कैरी किया है, जिस पर लाइट सीक्वेंस और कट-वर्क बॉर्डर बना हुआ है। इस क्लासिक और बोल्ड लहंगे का चुनाव उन्हें एक आधुनिक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है।तस्वीरों में दिशा पाटनी का आत्मविश्वास और उनका कातिलाना पोज देने का अंदाज साफ झलक रहा है। अलग-अलग एंगल्स में कराए गए इस फोटोशूट में दिशा ने कभी कैमरे की ओर देखते हुए नशीली निगाहों से पोज दिया है, तो कभी नीचे झुककर अपने हेयरस्ट्रैंड्स को संभालते हुए एक सिड्यूविट लुक दिया है।अपने इस पारंपरिक लुक को दिशा ने बहुत ही बैलेंस्ड मेकअप और हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया है। उन्होंने अपने लंबे, घने और डार्क बालों को पूरी तरह से खुला रखा है। बालों में हल्की सी मेसी और नेचुरल वेव्स उनके चेहरे पर गिरती हुई बेहद खूबसूरत लग रही हैं।मेकअप की बात करें तो दिशा ने मैट-फिनिश बेस के साथ स्मोकी आइज, परफेक्टली शेड आईब्रोज और प्लम्प्च्यूड-शेड लिपस्टिक का चुनाव किया है। गालों पर लगा हल्का सा ब्लश उनके चेहरे की प्राकृतिक चमक को बढ़ा रहा है।अपने इस बोल्ड एथनिक लुक में विंटेज टच देने के लिए दिशा ने हेवी स्टेटमेंट इयररिंग्स चुने हैं। हाथों में बारीक डिजाइन वाले कुंदन और पन्ने जड़े कड़े तथा उंगलियों में बड़ी सी कोंकटेल रिंग उनके हाथों की शोभा बढ़ा रही है।दिशा पाटनी का यह नया फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वे न केवल मॉडर्न और बिकिनी लुक्स में परफेक्ट दिखती हैं, बल्कि जब बात एथनिक या इंडियन वियर की आती है, तो भी वे अपने स्टाइल और बोल्डनेस के अનોखे मेल से हर किसी को अपना दीवाना बना सकती हैं।



बिहार में छात्रा से छेड़छाड़ पर खुशबू पाटनी का आक्रोश

बिहार के जमुई जिले में 10वीं क्लास की एक छात्रा के साथ मारपीट और छेड़छाड़ की घटना ने पूरे देश और सोशल मीडिया पर भारी आक्रोश पैदा किया है। भारतीय सेना की पूर्व अधिकारी और एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन, खुशबू पाटनी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और बिहार के लोगों से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और राज्य में कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाएं। खुशबू पाटनी ने नाबालिगों को परेशान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

22 सितंबर को खुशबू ने एक वीडियो शेयर करके जमुई में हुई घटना पर अपना गुस्सा जाहिर किया। आरोपियों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा, भारत को एक महान देश और विश्वगुरु बनना है। क्या ऐसा तब होगा जब महिलाओं का बिल्कुल भी सम्मान न हो? आपने बिहार का मामला देखा होगा, जहां गमछा पहने एक शख्स एक लड़के और लड़की को परेशान करता है, लड़की के प्राइवेट पार्ट्स को पकड़ता है, उन्हें पीटता है और गुंडागर्दी करता है।उन्होंने कहा, ये वही अनपढ़ और अज्ञानी लोग हैं जो अपनी रोज की कमाई भी नहीं कर पाते। ये वही लोग हैं जो नशे में धुत रहते हैं। ये वही जाहिल लोग हैं जिन्हें यह भी नहीं पता कि वे क्यों पैदा हुए हैं और बस किसी और के हाथों की कटपुतली बन गए हैं। उन्हें लगता है कि वे ही इस देश की रक्षा करेंगे।खुशबू ने सवाल उठाया कि उस आदमी को लड़के-लड़कियों के अपनी मर्जी से साथ होने, साथ घूमने या सिर्फ दोस्त होने पर क्या आपत्ति थी। उन्होंने कहा कि उसकी आपत्तियां उसकी अपनी असुरक्षाओं से जुड़ी हो सकती हैं और आरोप लगाया कि हो सकता है कि वह अपने परिवार में महिलाओं के साथ हिंसा या दुर्व्यवहार देखते हुए बड़ा हुआ हो,

परिणीति ने वीडियो काल पर राघव को कराए गणपति दर्शन

मुंबई में गणेशोत्सव की रौनक के बीच बॉलीवुड सितारों का लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचने का सिलसिला जारी है। बीते दिन 21 सितंबर को अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा भी बप्पा के दर्शन करने पहुंचीं। परिणीति के इस दर्शन की सबसे खास बात उनका लुक नहीं, बल्कि उनके पति राघव चड्ढा से जुड़ा एक प्यारा पल रहा। दरअसल पंडाल में मौजूद परिणीति ने वीडियो कॉल के जरिए राघव को भी गणपति बप्पा के दर्शन करवाए।

लालबागचा राजा के दर्शन के दौरान परिणीति चोपड़ा लगातार अपने पति राघव चड्ढा से वीडियो कॉल पर जुड़ी हुई थीं। उन्होंने फोन के जरिए राघव को बप्पा की प्रतिमा के दर्शन करवाए और पंडाल का माहौल भी दिखाया। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने उन्हें वहां दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ और लंबी कतारें भी दिखाईं। वीडियो कॉल पर राघव को बप्पा के दर्शन करवाते हुए परिणीति का यह अंदाज सोशल मीडिया पर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। दोनों भले ही उस वक्त एक साथ पंडाल में मौजूद नहीं थे, लेकिन वीडियो कॉल के जरिए राघव भी इस धार्मिक पल का हिस्सा बनते नजर आए। परिणीति ने पंडाल की कई



चीजें कैमरे के जरिए उन्हें दिखाईं और बप्पा के सामने प्रार्थना की। गणपति दर्शन के लिए परिणीति ने ट्रेडिशनल लुक चुना था। वह गुलाबी रंग के खूबसूरत एथनिक आउटफिट में नजर आईं। उनका यह लुक सिंपल होने के साथ-साथ फेस्टिव वाइब दे रहा था। आउटफिट के साथ उन्होंने लॉन्ग स्टेटमेंट इयररिंग्स पहने थे, जो उनके पूरे लुक को और आकर्षक बना रहे थे। पंडाल की ओर जाते समय परिणीति के चेहरे पर मुस्कान नजर आई। उन्होंने वहां मौजूद लोगों और फैंस का भी अभिवादन किया। मुंबई का लालबागचा राजा पंडाल हर साल गणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के आकर्षण का बड़ा केंद्र रहता है। (हिफी)

जेलर 2 में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वेग देख लोगों को याद

आई डर्टी पिक्चर की रेशमा

जेलर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं। अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टारर फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है, इससे पहले मेकर्स ने एसजे सूर्या का बोधि और सूरज वेंजारामूडु का दिलीप लुक पेश किया था। निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है, वह कथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है।

विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं। इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है, विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती हैं, जबकि अनिरुद्ध रविचंद्र का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है।

फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है, हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी, बताया जा रहा है कि मिथुन जेलर 2 में मुख्य खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, इससे पहले सोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं, कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्ट्रेस की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है।

इस किरदार का खुलासा फिल्म निर्माताओं द्वारा जेलर 2 के प्रचार का एक हिस्सा है, जो 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है, इस सीक्वल में रजनीकांत मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि पहली फिल्म जेलर 2023 की सबसे बड़ी तमिल हिट फिल्मों में से एक बन गई थी।

नेल्सन दिलीपकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म जेलर मुथुवेल पांडियन की कहानी है, जो एक रिटायर्ड जेलर हैं और उनके बेटे के लापता होने के बाद उनका शांतिपूर्ण जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है, सैकनिल्क के अनुसार , फिल्म ने भारत में 348.55 करोड़ रुपये का नेट और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था,जेलर 2 में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और रित्विक अहम किरदारों में वापसी कर रहे हैं . इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वेंजारामूडु, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे प्रभावशाली नए कलाकार की सरप्राइजिंग एंट्री है।फिल्म में कई कैमियो भूमिकाओं की भी उम्मीद है, खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिव राजकुमार, जैकी शॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं, हालांकि निर्माताओं ने अभी तक सभी संभावित भूमिकाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।विद्या के कथा के रूप में शामिल होने के साथ ही, जेलर 2 की कास्ट का एक और हिस्सा तय हो गया

जन विचार प्रवाह

खेल/व्यापार

जौनपुर,गुरुवार 24 सितम्बर, 2026

7

Sensex 299 अंक चढ़कर 74,828 पर बंद, Nifty में भी मजबूती दर्ज



घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत के वृद्धि अनुमान बढ़ाने से बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 299.17 अंक सुधारकर 74,828.25 अंक पर और एनएसई निपटी 117.80 अंक चढ़कर 23,446.80 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस और आईटीसी के शेयरों में प्रमुख रूप से तेजी देखने को मिली।

कच्चे तेल के दाम में नरमी के साथ घरेलू शेयर बाजार में बु

वार को तेजी आई और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 299 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निपटी 23,450 अंक के करीब पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल के दाम में नरमी के अलावा पश्चिम एशिया में संकट कम होने की उम्मीद के साथ रेटिंग एजेंसियों के भारत के वृद्धि अनुमान बढ़ाने से धातु, वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों के शेयरों में लिवाली से भी बाजार को समर्थन मिला। भौगोलिकसंदर्भ बीएसई के 30 शेयरों पर आ

ारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 299.17 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,828.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 444.66 अंक चढ़कर 74,973.74 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निपटी भी 117.80 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,446.80 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड और लार्सन एंड टुब्रो में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचसीएलटेक, इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत बढ़कर 99.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनुमुडी आर ने कहा, “पश्चिम बैरल पर आ गया।ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनुमुडी आर ने कहा, “पश्चिम

जिससे घरेलू शेयर बाजार में तेजी रही। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद और अमेरिकी तेल मानक वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई।” पोनुमुडी ने कहा, “बेहतर वैश्विक माहौल, तेल कीमतों में नरमी और घरेलू आर्थिक वृद्धि के मजबूत अनुमान से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और उन्होंने बड़ी कंपनियों के अलावा अन्य शेयरों में भी लिवाली की।” एसएंडपी, फिच, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसी वैश्विक एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर करीब सात प्रतिशत कर दिया। यह संशोधन जून तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में मजबूती और पश्चिम एशिया में संघर्ष के बावजूद फेंग्लू मांग में तेजी को देखते हुए किया गया है।छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.85 प्रतिशत और मझोली कंपनियों से जुड़ मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत

चढ़ा। बीएसई में कुल 2,809 शेयर बढ़त में रहे, जबकि 1,579 शेयरों में गिरावट रही। वहीं 209 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शेड प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “सितंबर के शुरुआती अनुमान वाले खरीद प्रबंध सूचकांक (पीएमआई) के उम्मीद से बेहतर आंकड़ों ने आर्थिक गतिविधियों में मजबूती का भरोसा बढ़ाया है। इससे संकेत मिलता है कि आर्थिक वृद्धि बनी हुई है।” एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोसी बढ़त में रहा जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। जापान के बाजार अवकाश के कारण बंद रहे।यूरोप के अधिकांश बाजारों में दोपहर कारोबार के दौरान गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 3,809.99 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।संसेक्स मंगलवार को 329.91 अंक टूटकर 74,529.08 अंक और निपटी 85.30 अंक की गिरावट के साथ 23,329 अंक पर बंद हुआ था।

AI के खतरों की आशंकाएं बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई, Global Ban संभव नहीं: Sridhar Vembu



जोहो के सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने कहा कि एआई के खतरों की आशंकाएं बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और एआई के विकास पर वैश्विक स्तर पर रोक लगाने की संभावना नहीं है। उन्होंने भारत से रणनीतिक विकल्प खुले रखते हुए बुनियादी अनुसंधान में निवेश की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने एआई पर अत्यधिक निर्भरता से मानवीय कौशल और नौकरियों पर पड़ने वाले असर के प्रति आगाह किया।प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम भेषा

(एआई) के संभावित खतरों को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और एआई के विकास पर वैश्विक स्तर पर रोक लगाने की संभावना नहीं है। उन्होंने भारत से रणनीतिक विकल्प खुले रखने और विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में बड़े पैमाने पर निवेश करने का आग्रह किया। वेम्बु ने कहा कि भारत को एआई के क्षेत्र में स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और साझेदारियों का लाभ उठाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और चीन के बीच उभरती प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा में किसी एक पक्ष से बंधने से बचना चाहिए। जोहो के मुख्य वैज्ञानिक एवं सह-संस्थापक वेम्बु ने पीटीआई-से साक्षात्कार में कहा, “हमें सभी के साथ मित्रवत रहना चाहिए, किसी का दुश्मन नहीं बनना चाहिए और अपने विकल्प खुले रखने चाहिए।” उन्होंने बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में व्यापक निवेश की जरूरत बताई और दीर्घकालिक वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं तथा वैश्विक कंपनियों द्वारा अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास और इस्तेमाल पर खर्च की जा रही बड़ी रकम के बीच अंतर बताया। उन्होंने कहा, “हमें महत्वपूर्ण बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में बड़े पैमाने पर निवेश करने की जरूरत है। बुनियादी अनुसंधान एवं विकास और एआई मॉडल के विकास या इस्तेमाल पर अरबों डॉलर खर्च करने के बीच अंतर है।” वेम्बु ने कहा कि ऐसा अनुसंधान हर क्षेत्र में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुनियादी क्षमताएं विकसित करने के लिए अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास जितने बड़े निवेश की जरूरत नहीं होती।

Babar Azam की Test कप्तानी Waqar Younis ने उठाए सवाल, बल्लेबाजी पर असर की जताई चिंता

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वकार यूनिस ने बाबर आजम की कप्तानी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाजों में गिने जाने वाले वकार का मानना है कि टेस्ट टीम की कप्तानी दोबारा बाबर आजम को सौंपने से पाकिस्तान एक अच्छे बल्लेबाज को खो रहा है। उनका कहना है कि कप्तानी का दबाव बाबर के खेल पर अवर डालता है और वह इस जिम्मेदारी को संभालते हुए अपनी बल्लेबाजी पर पूरी तरह ध्यान नहीं दे पाते हैं।वकार यूनिस पाकिस्तान पुरुष टीम के साथ कई बार कोच रह चुके हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बल्लेबाजों के तौर पर बाबर तकनीकी रूप से काफी मजबूत और संपूर्ण खिलाड़ी हैं। हालांकि, जब उनके ऊपर कप्तानी की जिम्मेदारी आती है तो वह जरूरत से ज्यादा दबाव अपने ऊपर ले लेते हैं। वकार के मुताबिक, कप्तानी मिलने पर बाबर का प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहता, जैसा एक बल्लेबाज के रूप में उनसे उम्मीद की जाती है।उन्होंने कहा कि अगर बाबर को यही जिम्मेदारी लगातार दी जाती रही तो पाकिस्तान एक खिलाड़ी के रूप में उनका नुकसान कर सकता है। वकार ने यह भी कहा कि कप्तान को अपने खिलाड़ियों का मजबूती से साथ देना चाहिए। अगर कोई कप्तान अपने साथियों के पीछे खड़ा नहीं हो सकता तो वह खिलाड़ियों और कप्तानी की जिम्मेदारी, दोनों के लिए ठीक नहीं है।वकार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ रहा है। यह सीरीज पाकिस्तान क्रिकेट के लिए कई कारणों से चर्चा में रही। पहले दो मुक़ाबलों के बाद पाकिस्तान 0-2 से पिछड़ गया था। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सात खिलाड़ियों और दो कोचों को वापस भेज दिया था, जिससे टीम प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे थे।तीसरे टेस्ट से पहले बाबर आजम ने कहा था कि टीम में हुए बदलावों को लेकर उनसे सलाह नहीं ली गई और उनका इन फैसलों में कोई योगदान नहीं था। बोर्ड के अध्यक्ष मेहताब नकवी के नेतृत्व में लिए गए इन फैसलों को लेकर बाबर की टिप्पणी पर कई पूर्व खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई थी। वसीम अक़रम ने भी बाबर की आलोचना करते हुए कहा था कि कप्तान को मुश्किल समय में अपनी टीम के साथ खड़ा रहना चाहिए।व्ता दे कि बाबर इस समय टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से शतक के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। उनका आखिरी टेस्ट शतक दिसेंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ आया था। इसके बाद वह कई बार बड़े पारी के करीब पहुंचे लेकिन शतक पूरा नहीं कर सके। टेस्टईंडीज के खिलाफ भी वह शतक के करीब पहुंचे थे और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भी उनके पास मौका था, ।

OECD ने भारत की GDP वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया



आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने मजबूत घरेलू मांग के दम पर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.80 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इसके पहले जून में ओईसीडी ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। पेरिस स्थित ओईसीडी ने बुधवार को जारी अपने अंतरिम आर्थिक परिदृश्य में कहा कि जी20 में शामिल भारत जैसी कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि मजबूत

स्थित इस संगठन के अनुसार 2026-27 में देश की विकास दर 7.1 प्रतिशत रह सकती है, जो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों में सर्वाधिक है। जून में एजेंसी ने भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत

रहने की संभावना जताई थी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने मजबूत घरेलू मांग और सरकारी नीतियों को देखाते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.80 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इसके पहले जून में ओईसीडी ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। पेरिस स्थित ओईसीडी ने बुधवार को जारी अपने अंतरिम आर्थिक परिदृश्य में कहा कि जी20 में शामिल भारत जैसी कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि मजबूत घरेलू मांग और सरकार की उन नीतियों से समर्थित रही, जिन्होंने ऊंची ऊर्जा कीमतों

के असर से परिवारों और कंपनियों को राहत दी।हालांकि, संगठन ने कहा कि हालिया मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बावजूद कम क्रय शक्ति होने से इस साल की दूसरी छमाही में भारत की वृद्धि प्रभावित होने की आशंका है। इसके बाद 2027 में धीरे-धीरे सुधार होने का अनुमान है। ओईसीडी ने कहा, “भारत की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2025-26 के 7.8 प्रतिशत से घटकर 2026-27 में 7.1 प्रतिशत और 2027-28 में 6.5 प्रतिशत रह सकती है।” भारत के लिए ओईसीडी का 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों में सबसे अधिक है।एशियाई विकास बैंक (एडीबी), एसएंडपी और मूडीज ने 2026-27 में

भारत की वृद्धि सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वहीं, फिच रेटिंग्स ने 6.9 प्रतिशत और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया है। इसके साथ ही, ओईसीडी ने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत महंगाई के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए अस्थायी रूप से नीतिगत दर बढ़ा सकता है।उसने कहा कि भारत में सरकार के मूल्य समर्थन उपायों से ऊर्जा कीमतों का दबाव कम हो रहा है और निकट अवधि में भी ऐसा होने की उम्मीद है। ओईसीडी ने 2026 में भारत की औसत मुद्रास्फ़ीति 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। संगठन ने कहा कि

आपूर्ति पक्ष में आने वाले व्यवधानों से निपटने की अर्थव्यवस्थाओं की क्षमता बढ़ाने वाले संरचनात्मक नीतिगत सुधार मौजूदा समय में सरकारों की प्रमुख प्राथमिकताओं में होने चाहिए।ओईसीडी ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य इस बात पर काफी निर्भर करेगा कि पश्चिम एशिया संघर्ष का स्थायी समाधान हो पाता है या नहीं। संगठन ने वर्ष 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उसने कहा कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक वृद्धि धीमी हुई, लेकिन संघर्ष के प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद कई देशों में आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी रही।संगठन ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की दिशा को लेकर बनी अनिश्चितता उसके अनुमानों के लिए एक प्रमुख जोखिम है।

Bank Strike से पहले RBI का बड़ा कदम, 27 सितंबर रविवार को खुलेगी सभी शाखाएं



बैंक यूनियनों की 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए वित्त मंत्रालय ने रविवार, 27 सितंबर को सभी बैंक खुले रखने का निर्देश दिया है। आरबीआई

ने भी सभी शाखाओं को सामान्य रूप से संचालित करने की मंजूरी दी है। ग्राहकों को असुविधा से बचने के लिए डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने की सलाह दी गई

है। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि बैंक कर्मचारी संगठनों के संयुक्त मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए

ग्राहकों की सुविधा के लिए रविवार 27 सितंबर को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक समेत सभी बैंक खुले रहेंगे। यूएफबीयू ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। उसकी प्रमुख मांगों में बैंकों में सप्ताह में पांच दिन का कार्यदिवस लागू करना शामिल है। संगठन का दावा है कि वह बैंक क्षेत्र के करीब 90 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिन की हड़ताल और इससे पहले 26 तथा 27 सितंबर को शनिवार और रविवार की छुट्टियों को देखते हुए सरकार ने ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए हैं। बयान में कहा गया, “जनता की बैंक जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, यह

सुनिश्चित करने के लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 27 सितंबर, 2026 को रविवार के दिन सामान्य रूप से काम करेंगे।” भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और ‘कंसेंसी चेस्ट’ को 27 सितंबर को पूरी तरह परिचालन में रखने की मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने कहा कि बैंक ग्राहकों की सुविधा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सरकार और बैंक प्रबंधन ने बैंक कर्मचारी संगठनों से प्रस्तावित हड़ताल टालने की अपील की है। साथ ही आवश्यक बैंकिंग सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए कदम उठाए गए हैं। यूएफबीयू की अन्य मांगों में पेंशन में संशोधन एवं

सुधार, सभी पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ते की समान व्यवस्था तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में जाने का विकल्प देना शामिल है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि हड़ताल होती है तो वे मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, बैंक प्रतिनिधि केंद्र और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग करें। बैंकों ने ग्राहकों से यह भी कहा है कि असुविधा से बचने के लिए जरूरी बैंक लेनदेन प्रस्तावित हड़ताल की तारीखों से पहले ही पूरा कर लें। प्रस्तावित तीन दिन की हड़ताल 30 सितंबर को होने वाले बैंकों के छमाही लेखा समापन के साथ भी पड़ रही है। यह तारीख मिलान, प्राक्धान बनाने तथा ट्रेजरी और बाजार से जुड़े कामकाज के लिहाज से महत्वपूर्ण होती है।

Umpire के फैसले पर विवाद, जानिए क्या है Reverse Hit का Wide Rule



सानो में खेले गए ५20^{वें} मैच में भारत ने जापान को 2 रन से हराकर सबसे कम स्कोर का बचाव किया। आखिरी ओवर में अक्षर पटेल की गेंद पर अंपायर क्रिस थर्गेट के गलत वाइड फैसले को लेग अंपायर क्रिस ब्राउन ने दखल के बाद बदल दिया गया। बिना कै के ५ नियमों के तहत यह सुधार किया गया।सानो में बारिश की वजह से छोटे किए गए इकलौते

५20^{वें} मैच में, जापान के खिलाफ भारत आखिरी ओवर में अंपायर के फैसले में सुधार के बाद मुश्किल से जीत पाया। इस सुधार से भारत की दो रन से जीत पक्की हुई और ५20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड भी बना। खास बात यह है कि जापान को चार गेंदों पर आठ रनों की जरूरत थी, तभी अलेक्जेंडर शिराई-पेटमोर ने

अक्षर पटेल की गेंद पर रिवर्स-हिट मारने की कोशिश की। गेंद उस तरफ से गुजरी जो उनके शुरुआती रंट्स के हिस्साब से लेग-साइड होती, इसलिए स्ट्राइकर-एंड के अंपायर क्रिस थर्गेट ने इसे वाइड करार दिया। इस फैसले पर भारत ने तुल्य प्रतिक्रिया दी और खिलाड़ियों ने इस पर सवाल उठाए, क्योंकि पिछले लगभग एक दशक से लिमिटेड-ओवर

इंटरनेशनल मैचों में इस तरह की गेंदों को वाइड नहीं माना जाता रहा है। विवाद तब और बढ़ गया जब अगली गेंद पर भी वैसी ही गेंद को वाइड करार दिया गया। उस फैसले के बाद जापान को चार गेंदों पर छह रन की जरूरत रह गई। हालाँकि, खेल आगे बढ़ने से पहले लेग अंपायर क्रिस ब्राउन ने दखल दिया और थरगेट को दूसरे वाइड फैसले में सुधार करने का निर्देश दिया। थरगेट ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे जापान को तीन गेंदों पर सात रन

की जरूरत पड़ गई। आखिरकार जापान लक्ष्य हासिल नहीं कर सका और भारत ने दो रन से जीत दर्ज की।इस बीच, वाइड कॉल से जुड़े नियम रिवर्स-हिट और र्विच-हिट के लिए खास दिशा-निर्देश देते हैं। जब कोई बल्लेबाज इनमें से कोई भी स्टॉस अपनाता है, तो वाइड तय करने के लिए विकेट के दोनों तरफ के हिस्से को र्डऑफ साइडर माना जाता है। इसलिए, वाइड करार दिए जाने के लिए गेंद को बाहरी स्टंप से 75 सेंटीमीटर दूर से गुजरना

जरूरी होता है। यह नियम तब भी लागू होता है जब बल्लेबाज बिना ग्रीप बदले रिवर्स-हिट करे या ग्रीप बदलकर र्विच-हिट करे। इसमें यह भी कहा गया है कि स्टॉस बदलने का समय नियम को नहीं बदलताय यानी गेंदबाज के हाथ छोड़ने के बाद बल्लेबाज की हरकत से यह नियम खत्म नहीं होता।दिलचस्प बात यह है कि मैच में न तो टीवी अंपायर था और न ही कै।

Mark Wood ने अन्तराष्ट्रिय क्रिकेट को कहा अलविदा,इंग्लैण्डके लिए 146 मैचों में लिए 253 विकेट

इंग्लैंड के 36 वर्षीय तेज गेंदबाज मार्क वुड ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। लगातार चोटों और मैडिकल सलाह के चलते उन्होंने यह फैसला लिया। वुड ने इंग्लैंड के लिए 146 मैचों में 253 विकेट हासिल किए और वे 2019

वनडे व 2022 टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा रहे।इंग्लैंड के बेहतरीन तेज गेंदबाज मार्क वुड ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का फैसला किया है। 36 साल के वुड को लंबे समय तक चोटों से चूझना पड़ा, जिसके कारण आखिरकार 146 मैचों में 253 विकेट लेने

के बाद उनका करियर खत्म हो गया। उन्होंने 30.79 की औसत से 119 विकेट लेकर अपना टेस्ट करियर खत्म किया। उन्होंने2015 मेंशेज जेती और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में कुल उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2019 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 ५20 वर्ल्ड कप जीता था।उन्होंने मंगलवार

सुबह उरहम के रिवरसाइड मेंश्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड के वनडे इंटरनेशनल मैच से पहले अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस फैसले के पीछे की वजह बतातेहुए वुड नेकहा कि उनका तीन साल का फ्रैक्चरकॉस्ट्रैट खत्म होने वाला है और मैडिकल सलाह केमुताबिक अब लंबेफॉर्मेट

मेंखेलना मुश्किल नहींहै। फिलहाल, उनका इरादा उरहम के लिए शेषरू ५20 क्रिकेट और फेंचाइजी लीग खेलने के साथ-साथ ब्रैंडकास्टिंग और कोचिंग करने का है।अपने विदाई भाषण में वुड ने यह भी कहा कि उन्हें इंग्लैंड के लिए खेले हुए काफी समय हो गया है

